दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 9792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक 02.09.2020

समाचार स्वरूप प्रकाशनार्थ

स्वनिर्मित सेन्सर युक्त सैनिटाइजर टनल और हैंड सैनिटाइजर का उद्घाटन

आज दिनांक 02 सितंबर 2020। कोरोना वायरस से लड़ने एवं उस पर विजय प्राप्त करने में गोरक्षपीठ एवं महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद से जुड़ी सभी संस्थाएं अपना सहयोग दे रही हैं इसी क्रम में दिग्विजयनाथ पी. जी. कॉलेज गोरखपुर के शिक्षक डॉ नितीश शुक्ला, असिस्टेंट प्रोफेसर ,भौतिक विज्ञान विभाग के निर्देशन में बी. एससी. द्वितीय वर्ष के छात्र अभिषेक कुशवाहा, हरिओम सिंह और मो. कैफ द्वारा सेन्सर युक्त सैनिटाइजर टनल और हैंड सैनिटाइजर का निर्माण किया। जिसका उद्घाटन श्री प्रमथ नाथ मिश्र, सदस्य, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद द्वारा ने किया। इस अवसर पर श्री प्रमथ नाथ मिश्र ने महाविद्यालय के प्राचार्य सहित डॉ शुक्ल व विद्यार्थियों को इस अनूठे प्रयास हेतु बधाई देते हुए कहा कि कोरोना वैश्विक महामारी का वर्तमान में कोई सटीक उपचार नहीं है। अतः इससे बचाव ही एक मात्र उपचार है। इस महामारी से बचाव के लिए सैनिटाइजेशन की प्रक्रिया एक कारगर उपाय सिद्ध हो रही है। सैनिटाइजेशन सुगम, सुलभ व सुरक्षित बनाने हेतु सेन्शर युक्त सैनिटाइजिंग टनल और हैंड सैनिटाइजर का निर्माण कॉलेज द्वार एक बेहतर और सराहनीय प्रयास है।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ शैलेन्द्र प्रताप सिंह जी ने भी डॉ नितीश शुक्ल और विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि इस विपरीत परिस्थिति में भी हमारे शिक्षक कर्मचारियों का पूरा सहयोग मिल रहा है। जब से विश्वविद्यालय द्वारा सितंबर माह के प्रथम सप्ताह में परीक्षा की समय–सारिणी घोषित हुई तभी से मैं विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर चिंतित था परंतु भौतिक विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ नितीश शुक्ल जी मेरे पास आये और उंन्होने कहा कि वो और उनके कुछ विद्यार्थी सैनिटाइजर टनल व हैंड सैनिटाइजर का निर्माण कर रहे हैं और ये परीक्षा के समय विद्यार्थियों की सुरक्षा में सहायक होगी। आज मैं सचमुच बहुत प्रसन्न और गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ कि ऐसे शिक्षक और विद्यार्थी इस कॉलेज का हिस्सा हैं। कोरोना काल के शुरुआत से ही कॉलेज अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहा है और इस सेन्सर युक्त सैनिटाइजर टनल और हैंड सैनिटाइजर का उपयोग कल से शुरू हो रही विश्वविद्यालय की वार्षिक परीक्षा में परीक्षार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों के सैनिटाइजेशन हेतु किया जाएगा।

डॉ नितीश शुक्ल ने बताया कि सेन्सर युक्त सैनिटाइजर टनल का निर्माण पी.आई.आर. सेन्सर और तर्क द्वारक परिपथ पर आधारित है जबकि हैंड सैनिटाइजर का निर्माण आई.आर. सेन्सर पर आधारित है। सेन्सर युक्त सैनिटाइजर टनल की लंबाई पांच फीट, चौड़ाई तीन फीट और ऊचाई सात फीट है। इसे प्लास्टिक के चादर से सुसज्जित तरीके से घेर गया है। टनल में दो गेट हैं एक गेट से प्रवेश पाकर दूसरे गेट से सैनिटाइजेशन के बाद बाहर निकलने की व्यवस्था बनाई गई है। यह सभी नवाचार माननीय प्रधानमंत्री जी और उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री जी जो कॉलेज के प्रबंधक भी हैं के 'आत्म निर्भर भारत अभियान' की प्रेरणा से हुआ।

इस उद्घाटन अवसर पर इंजीनियर इंद्र विनोद गुप्ता सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता सिचाई विभाग, डॉ राम प्रसाद यादव, डॉ राज शरण शाही, श्री पवन कुमार पाण्डेय, डॉ सुभाष चंद्र, श्री पीयूष सिंह, श्री नवीन सिंह, डॉ सुनीता श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

डॉ.(शैलेश कुमार सिंह)
प्रभारी,सूचना एवं जनसम्पर्क